

July 20,2017

[वीडियो](#) [राज्य](#) [न्यूज़](#) [जागरण स्पेशल](#) [पॉजिटिव न्यूज़](#) [Jaago Re](#) [स्पोर्ट्स](#) [राष्ट्रीय](#) [क्रिकेट](#) [दुनिया](#) [बिजनेस](#) [मनोरं](#)[होम](#) » [समाचार](#) » [राष्ट्रीय](#)

पॉटरी फेस्ट के द्वारा मर रही कला को जीवंत करने की कोशिश

Mon, 22 May 2017 02:05 PM (IST)



July 20,2017

फेस्ट का आयोजन किया गया है जो दस दिनों तक चलेगा। इसके जरिए जरिए यहां की मर रही पॉटरी की कला को भी जीवंत करने की कोशिश की जा रही है। 19 मई से 28 मई तक चलने वाले इस फेस्ट में पेंच आने वाले सभी टूरिस्ट आसानी से जा सकते हैं। इसमें कुम्हारों को मिट्टी के काम की नई तकनीक सिखाई जा रही है, जिससे उनके प्रोडक्ट्स को बड़े शहरों के बाजारों में जगह मिल सके।

दरअसल, पेंच टाइगर रिजर्व के पास कुम्हारों के एक छोटे से गांव 'पचधार' में उनके पारंपरिक कौशल को नया रंग दिया जा रहा है। मुश्किधल से 700 लोगों के इस गांव में सभी सिर्फ पॉटरी का काम करते हैं। ये उनकी आजीविका है, पुश्तैनी काम है साथ ही जंगल में गुजर-बसर करने का एक जरिया। आसपास के गांवों में शिक्षा के विभिन्न स्तर पर सुधार का काम कर रही संस्थान 'कोहका फाउंडेशन' ने 10 दिन के वर्कशॉप 'आकार' का आयोजन किया है। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य मॉडर्न समय में गुम होती कलाकारी को नया रूप देकर उसे बाजार के लिए तैयार करना है, जिससे कलाकार की कला एक दायरे तक न सिमट जाए और उनकी आमदनी बढ़े।

कोहका फाउंडेशन के सीईओ संजय नागर कहते हैं, 'लुप्त होती इस कला में जान डालना बहुत जरूरी है। इसके लिए कलाकारों को अपने प्रोडक्ट बाजार के लिए तैयार करने होंगे। उनमें नई कलाकारी करनी होगी, सादे पारंपरिक पॉटरी में रंग भरने होंगे। इससे न सिर्फ उनके रोजगार में फर्क आएगा साथ ही धुंधली होती ये कला फिर से जी उठेगी। यही नहीं, इस इवेंट को लेकर गांव के लोग भी खासे उत्साहित हैं। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रमाणित कारीगर सतीश बोरसरे और उनकी टीम गांव के लोगों को नई तकनीक सिखा रहे हैं।

यह भी पढ़ें : [हल्द्वानी की 'लाइफ लाइन' को जीवन दे रहे वरिष्ठ नागरिक](#)

Tags: # Art , # Tiger Reserve , # Pench Tiger Reserve , # Pchdhaar , # Pottery fest , # Kohka Foundation ,


[Previous](#)
[Next](#)


संबंधित

टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में पर्यटन की इजाजत नहीं : सुप्रीम कोर्ट



सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को देश के 40 टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में पर्यटन पर पाबंदी लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्रों व बफर जोन को अधिसूचित करने के उसके आदेश का पालन न करने पर राज्यों की भर्त्सना की है।

राजस्थान में इस बार मानसून में भी खुले रहेंगे टाइगर रिजर्व

20/06/17

झारखंड में अब खाया गया बाघों का पैसा

July 20,2017

पिछले 12 महीनों में मध्यप्रदेश में 16 बाघों की मौत

08/04/16

बाघों के लिए छोड़े गए चार दर्जन चीतल

09/11/14

सुंदरबन बाघ अभयारण्य में दो बाघ मृत मिले

31/07/15

उप्र: दुधवा टाइगर रिजर्व में बढ़ रहा बाघ का कुनबा

23/05/15

टाइगर रिजर्व हैं या बड़े चिड़ियाघर

18/06/12

यह भी देखें

Sponsored Links by Taboola

Watch Great Movies Like Tarzan with Amazon Prime Video for Rs.499/Year

Amazon Prime Video

Cisco HyperFlex with Intel® Xeon® - designed for simplicity. Learn more.

CISCO

India's Cheap Hotel Finder

Save70.com

Cheap Flights - At Last

tripsinsider.com

SUBSCRIBE NEWSLETTER

E-Mail ID*

SIGN UP

एप डाउनलोड करें

FOLLOW US

न्यूज़

राज्य

क्रिकेट

मनोरंजन

Disclaimer Advertise Contact Us

July 20,2017
